एन.सी.एल. में सी.एस.आई.आर.स्थापना दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला एन.सी.एल., पुणे में 26 सितम्बर, 2005 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) का 63वाँ स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहाट, क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद तथा केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान चेन्नई के पूर्व निदेशक डॉ. त्यागराजन ने भारतीय जीवन में एवं उसके एक भाग के रूप में सी.एस.आई.आर. : घटनाओं, व्यक्तियों एवं स्थलों की एक झलक नामक विषय पर विशेष व्याख्यान दिया ।

डॉ. एस. शिवराम, निदेशक, एनसीएल ने अपने स्वागत सम्बोधन में दूसरे विश्व युद्ध में सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तत्कालीन सरकार द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व की गई सी.एस.आई.आर. की स्थापना के बारे में जानकारी दी । उन्होंने कहा कि सी.एस.आई.आर. स्थापना दिवस पर सी.एस.आई.आर. परिवार के सुप्रतिष्ठित सदस्य को सी.एस.आई.आर. के निर्माता शृंखला के अधीन व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित करके सी.एस.आई.आर. के संस्थापक एवं निर्माताओं की दूरदृष्टि एवं निस्वार्थ प्रयासों के लिए हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । डॉ. त्यागराजन का परिचय देते हुए डॉ. शिवराम ने कहा कि डॉ. त्यागराजन एक उत्कृष्ट कार्बनिक रसायनज्ञ हैं । वे बहुत ही कम आयु में विज्ञान एवं वैज्ञानिकों के प्रबन्धक बनें और सी.एस.आई.आर. की 3 प्रयोगशालाओं - क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहाट (1974-80) क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (अब भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान), हैदराबाद (1981-84) तथा केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान, चेन्नई (1984-94) के 20 वर्षों तक निदेशक बने रहने का विलक्षण रिकार्ड भी उनके नाम है ।

डॉ. त्यागराजन ने अपने व्याख्यान में सी.एस.आई.आर. की स्थापना एवं उसके विकास-क्रम पर प्रकाश डाला । उन्होंने सी.एस.आई.आर. के पूर्व एवं वर्तमान महानिदेशकों की कुछ व्यक्तिगत विशेषताओं और सी.एस.आई.आर. के विकास एवं उसकी स्वायत्तता में उनके योगदान के बारे में भी जानकारी दी । उन्होंने सी.एस.आई.आर. की तुलना अन्य समान राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संगठनों के साथ की । डॉ. त्यागराजन ने कुछ चूके हुए अवसरों का उल्लेख करते हुए कार्य संस्कृति को सुधारने, नई प्रतिभाओं की भर्ती, गोल्डेन हैंडशेक योजना शुरू करने, विदेश में सी.एस.आई.आर. का सम्पर्क केन्द्र स्थापित करने और सी.एस.आई.आर. स्टाफ कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में मौलिक सुझाव भी दिए ।

इस अवसर पर पिछले वर्ष सेवानिवृत्त हुए, तथा परिषद की सेवा में 25 वर्ष पूरे करने वाले कर्मचारियों को डॉ. त्यागराजन ने स्मृति-चिहन प्रदान किए । एनसीएल द्वारा आयोजित विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को तथा 12 वीं की परीक्षा में विज्ञान एवं गणित विषयों में 90 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को भी नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सी.एस.आई.आर. खेलकूद उन्नयन बोर्ड पुरस्कार भी प्रदान किए गए ।

सी.एस.आई.आर. प्रतिवर्ष स्थापना दिवस परअनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वैज्ञानिकों को निजी रूप से /वैज्ञानिकों के दल को पुरस्कार देकर उनके शोध कार्य को मान्यता प्रदान करती है । इस वर्ष एनसीएल के बहुलक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी प्रभाग के डॉ. गुरुस्वामी को अभियांत्रिकी विज्ञान में सी.एस.आई.आर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार तथा डॉ. पी.पी. बर्वे एवं उनके दल को 2-एक्रीलैमिडो-2मेथिल-1-प्रोपेन सल्फोनिक अम्ल (ATBS) के निर्माण हेतु एक सम्पूर्ण प्रक्रिया प्रौद्योगिकी का विकास नामक परियोजना पर शोधकार्य के लिए प्रतिष्ठित सी.एस.आई.आर. प्रौद्योगिकी पुरस्कार-2005-रासायनिक प्रौद्योगिकी प्रदान किया गया । यह प्रक्रिया विनती ऑरगेनिक केमिकल्स लि. में गत तीन वर्षों से व्यापारिक स्तर पर कार्यरत हैं ।

\- - - - - - - - - - -